

ব্যা≍:ঊথাঝা

নম'ৰ্ক্তম্য	ঘম'ৰ্ক্ডব্'বৃহ'শৃথিখা	र्नेब'र्ळबा	র্বিশ'রা⊏ঝা
ঘম:ছ্প. ১ না		वर्गे महें	9
		क्षेट्र यात्र या	9
		ভ .ঘার্ঝ.ছ্র্	9
		नर्गेश र्नेबा	9
		देश क्षेत्रा	3
		ন্মত্য ন্ব্ৰ : শ্ৰী কি কি কি কি কি	3
ঘম:ছ্থ-ত না		ট্রিম'ইন্ট'মেশ'নেইর'ট্রী'স্ক'ট্রেমশ'ন্ন'ফ্রীলা'নর্ग্নি।	
	নম'র্কর'র্হ'ল্'শ্রম' 🤈 ঘা	ট্রিম'ইুটে'যেশ'তেইর'ল্বশ্ব-'বর্ত্তবাশা	
		ঀৢয়ৼ৾৽ঢ়ঽঀৢঀ৸৽ৠৢ৾৽ৼৄ৾ঽ৽৻ঀৢ৽ৼঢ়ৄ৾৻৵৻৸৻ঽ৽য়ঢ়ৄঢ়ঀ	~
		নগ্ন-শ্ৰেমপা	~
		र्बेश ड्रेटि यम प्टेंब क सेन मिन्ट वटन	~
	নম'র্কর'র্ন'নৃথ্য'্র ঘা	ট্রেম'ট্রী'স্কুনাধানা	
		ब्रु-र-प ्र -प	~
		न्यु'वार्थिवा।	ų
		ছুবাধান্য,ত্রপ্রথাপ্রা	ч
	নম:হূধ:ধ্র:এখুন,র না	ঙ্কুর্যামনেণ্ড,বেরিমাগ্র,যহ্বা,বেরিণ্ড,রাগ্রারীমা	
		कूर्यायातपुरत्वं याज्ञानक्ष्यात्वं तयन् वर्षा	Ŀ
		कूर्यायाः भिष्यां स्थायाः स्थाय	
		ৰ্চ্চ-শূৰী	Ŀ
		বর্থাঝ,বরি,বেঘՀ,রৼ্থা	Ŀ
		दर्बे अ.श्र.चर्स्र, चर्चची	N
		বন্ধুৰা শ্লী বেনদ্ৰ ক্ৰিলা ঘটো ক্ৰিৰা বেনদাৰ্ভ দুৰ্বা	N
		বন্থক শ্বান্থ বিশ্ব প্ৰ	N
		বেবাথ,বেবিশ,বেশ,খ্ৰদ্ধা	5
		दब्रमः भ्रे त्यमः द्वीं स्मः बुः वृत्रः व्यस्म।	5

		र्द्धवायायदे त्य ह्या ह्या ह्या ह्या स्वता त्या विकार	P
		কুর্থনায়, তের্থনা প্রাপ্ত, কুর্থনা তের্থনা	P
		रट पर्देर अप्राम्य पर पर मु र विषा	P
		題. 台ェ. 岛. 松. 美ェ. l	90
	ঘষ.হ্ছধ.ধ≿.ঘা	স্কুম্বন্দ্রে ৰেল, তের্নুগ্ধন, মাধু ৮, হা ৮ কা	
		क्र्यायायद्वायाय	90
		คุ थ'य्हें अष'ग्रे' केंप' केंद्	99
		હ્યા.વક્સ્થય.મું.વર્ધ.વર્ધેના -	9 <i>9</i>
		त्याःयर्द्धस्याः स्टाः स्ट्राः प्रतीयः यहायः विष्याः यहिष्याः स्ट्राः स्ट्र	
		भेदे जूर्यार्क्त्	99
		র্তুবান্য-মহুবান্য-মহনা	
			99
	নম:ৰ্ছৰ:ৰুম:নাৰ্থক:এ ঘা	ট্রিম'ন্র্নুর'ন্ন'ট্রেম'্টুরে'অঝ'তেইর'ট্রি'অু'নার্মুনা'ন'র্ম্বু।	
		नर् <u>ज</u> ्ञी.न्यत्वा,त्यास्त्र	99
		পূ'ৰেশ্ব া	93
		यु'त्याद्र'यश्र'न्वेरिशःवु'गितृर'इरशा	93
		र्स्थि : कुटे : त्या अप्ता स्ट्री : तुः ना क्षेत्र ना स्ट्री	93
		त्ने.पॉर्ल्यायः र्क्ड ,व्रॅंश.क्रॅंग्डे.जन्म.यहंद्य.यट.योदन्म.	
		र्श्य-वापट-विद्या	93
		ন্বন নিম্মেন্দ্র প্রাক্তি ক্রিম্মেন্ট্রন্থা	93
নম:ৰ্ছৰ: _ক ্ৰা		ૡૢ૽ૼ૱ [ૢ] ૹ૽૽ૢ૽૽૽ૺઌૹઌ૽૽ૼ૱૽૽ૢ૿ઌૣૻ૽ઌૣૺઌૣઌૺ૽૽૾૽૱ઌ૱૱૱ૺૺૺૺૺૺૺૺૺ	दवा य .[तवा. र्ख्]
	ঘম:ছ্ৰ'ৰ্হ'নাধ্ৰম:১ না	્રિશ.ક્રંતુ.તાય.તદ્ભય.વેદ્ભય.વી.તી.યોભૂયો સ્થા	
		ह्यु-राम्प्र-वार्धिवा।	93
		ন্মীনাশ নশমা শু 'বার্টিনা	9 ~- 94
	ঘষ্যক্ষ্য ব্দ'শৃশ্ব থা	ট্র্ম:ইন্ত:অম:এই্র-ট্রি:7নদ:হ্র-1	
		ลูราสฤธารุสธาฮ์รา	96
		५भेग्रयायया:५०८:४५ १	96
		<u>स्थि कंट्र.जय.पह्रथ.क</u> ी.मृदी	9 N
		বলুনাশ.ফ.ঘ্রু.লেখে	9 N
		ক্রিঅ'বেন'শ্রী'রিমঝ'বার্বিদ'দ্দ'স্থীদ্'র্ভ্রুমা	9 N
	ঘম:ছ্থ.প্ৰ:এখ্য.ওঁ না	ট্রিম:ইুট্র:অম:এইর'অু:র্ফ্ন'দেট্র'অু:অন্যর্	

		भ्र.र्ङ्के.ट्रेब्र.जी.क्चर.रेम्.तपु.जी.क्चेथी	95
		<u> ५५,०१७ चे १५,०५०</u>	95
		गतुर खु:धुगातु ५वीं धते खु:खगदा	95
		ক্-শ্ৰেষ, শ্ৰদ: তেইৰ, শ্ৰ-শেক্ৰানাম সংগ্ৰিষ, তেইত	1195
		यं.चाल्र्यात.की.क्चर.टेब्र्.तषु.की.क्बाया	25
ঘষা:হ্ছধ;৺ না		ট্রিম'ষ্টুন্টে'ন্য'মর্ক্রমন্য	
		ট্রিম'ইুন্'ন'মর্ক্রমনা	0.6
			9 C
		ট্রম:ৡ৾৻ঽ:৵৻য়ড়য়৵৻৸য়ৢ৾৽৴৸ৡ৵৻ঢ়ৢ৾৻৻য়য়৻ঀ৾৻ঀ৾৻৶৻	96
่		ૡ૽૽ૼ૱૾ૢૹ૽૽ૡ૽ૺ <i>૾</i> ઌઌૻઌૼૢૼ૱ઌ૽ૺૺ૾ૢ૽ૹઌૺઌ૽ૺૺ૱ઌ૱ૢ૽ૺ૽ૺૺૺૺઌઌ૱ૢ	1
	ঘষান্ত্ৰ'ৰ্হ'ল্পিশ'় ঘা	র ে রের্বি র্'ট্রি:ট্রিয়৵ 'শ্রেবৃষ্ণ'নর্ত্র'রিঐ'ন্নন' র্ক র্	
		র ে তের্বি ; শ্রী 'ব্রিশ্বঅ' গ্রেবাশ 'গ্রী ২ ' ন দ দ শ	9 C
		८.५४.जयो.जुरे.ज्वय.क्रे.जूरे.क्र.ची.खुक्रय.	
		ল্যনান্য-দে:শ্রুব-ট্রুনা	20
		ম.ছন্ত, ঘইনা.ষ্ট্রীহ 'দাপ্প.র্দ্যবাধা	20
		ब्रिंभःक्रे:ब्रेट्रायक्षयाः क्षें।यक्ष्यः माने:न्ट्रायक्षयः	
		र्ग् यमा	30
	ঘম'র্কর'র্হ'শ্রশিশ'র ঘা	ট্রেমন্মন্ট্রবাদ্য-বেবা-ত্রেব বেবান্য্	
	নম:ৰূধ:ৰুদ:নাৰ্থক:ৰু ঘা		
নম'ৰ্ক্তর'৬ ঘা		ট্রিখ.জুন্ত,তাম.তেদ্র্র,ট্রীম.তামা.তা়থ,তেঘন.ধ্র.	
		गे'सड्ड, क्रेंड 'यु'गे' देग्या	
		ষ্ট্র-সন্দ্র্	33
		त्यु मोर्स्समा (यम (यम प्रमान) स्वान	22
		यु:रेग्शःसर्वस्थायर्हेग्।यनर्हि।	3 3
ঘষ:হ্ছৰ:৵ ঘা		ૡૣ૽ૼ ૹ ૾ૹૢ૽ૡૺ૾ઌૹઌૡૢૼૺૡૺ૽૽ૢ૿ૺ૾ૺૺૺૺ૾૽ઌ૿ઌ૽૽ૺઌ૽ૺઌૺૺૺૺૺૺ	
	ঘম'র্কর'র্হ'শ্ঝিঝ'় থা	শ্বন্-ভূনা	
		५५,०७:०३:००:० ५,००	23
		ন্ৰিহ'নেশ.ট্ৰ'ৰ্ম্বাশ.মধা	23
		वियाची:र्वेरिका:अरका	23
		ঘর্ষ্ ঘর্বর:ব্দ:ঘর্ষ্ ঘর্বর:বি:শ্বন্	2=

	নম:হ্ছধ:ধ্য-নাধ্যম:ব না	कै.८रूथ.की.शट.वृ.श्र.श्रूर।	
		बुँ -	25
		हु 'न्रें अ'न्न' तु 'वें द ही 'हे अ' के मा	2=
		त्रमुवा प्रविस र्झे मिर्गित्।	2 4
		বেবা.বেবা.২২.বেবাথ.⊉	2 4
		८ कॅ.प्रेय.स.२२८०।	QU
	নম:ৰ্ছৰ, ৰুদ:নাম্যম, ব	तकर: <u>५६</u> त्य	
	ঘষ:হ্ছৰ:ব্দ:বাশ্বশ:৺ ঘা	ট্র্ম'য়ৢ'অম'অই্র'ট্রী'র্ড্ েবেননা	
		<u>ब</u> ्चै-र-प्र-प	26
		म्बर्थ क्षे रेंद्र रचन	26
		দ্ৰেঅ'ইাৱ'ৰ্বৈহ'বেনহা	26
		च क्क्षेत्र:त्युत्य	α
		ય ન્ન ત્વીવા શું. મ. ૧૬૦૫	2 N
	নম'ৰ্ক্তৰ'ৰ্হ'শ্ৰীশ'এ ঘা	ট্ৰিম-ৰ্ছ'অম'অই'ৰ'ট্ৰী'অৰ্ট্ৰ'ৰ্ম্বন্	
		B= x-75x1	35
		वर्ते र्सेट महर देवे र प्रट कर्	35
		देश क्षेत्र क्वीं सुत्र खु र्ने ब खु महर र में पिर र र के	51 25
		₹৵'ঀ৾য়	26
	নম'র্ক্র'র্হ'ল্'ঐঅ'৬ ঘা	इं. <u>क</u> ्र्याया	
		८९७.३४५.७ ९४.धुँट.जश.यीचीया	36
		नर्गेट्यान्द्रिया	36
		ਖ਼. <i>੮੨ੑਜ਼</i> ੶क़ऀॻऻ <i>੶ਜ਼ऀਖ਼</i> ੶ਲ਼ੑੑੑ੶ਖ਼ੵ੶ ^{ਲ਼ੵ} ੑੑੑੑੑੑੑਸ਼੶ਲ਼ੑਜ਼ਜ਼੶ਜ਼ਸ਼ਗ਼	36
		र्वा चन्नू र : इत : लु।	30
নম:ৰ্ছ্ছর:≺ ঘা		र्कर् :सूब्र :र्चर :य्येंब्र :ग्रुं :प्युं :र्ट :य्याब :(तुर ।	30 - 39
ঘম.ছ্থ.ি না		নহত্ত,ট্রেপ্পন,তেट্র,ড্রা,নই্গ্রুইন,ন <u>হু</u> ক্,.২৮.ছ.ডাপ্রু	32
बुर-र्हे-५८-धा		म्रम्थाः स्थाः स्थाः स्थाः स्थान्यः स्यान्यः स्थान्यः स्थानः स्थानः स्थान्यः स्थान्यः स्थानः	ત્રત્ર-ત્રુપ

୬ ୫୧୯ ଅଟେ:ଅଟିଆ-ଅଟି ଜଣ୍ମିସ୍ନ:ଅଟିଆ-ଅଟିଆ-ଆ

বমাহ্ছৰ, ১ বা

यर्गे,यई्री

ইমে-আব্দ্রা

ว नकर विभग परि त्युं श्वे र्वे १ ००० विते पर्व मानी विभागे कर विभग वेर श्विम के ।

ক্র'বারঝ'ক্র'ঝ'রান্থা

অমানের্য্ নের্ব্রবামান্ট, ক্রাবামান্ত্র, মার্মান্ত্র, মার্মান্ত্র, নির্মান্তর বিষ্ণান্তর বিষ্ণান্ত বিষ্ণান্তর বিষ্ণান্তর বিষ্ণান্তর বিষ্ণান্তর বিষ্ণান্ত বিষ্ণান্ত বিষ্ণান্ত বিষ্ণান্ত বিষ্ণান্তর বিষ্ণান্তর বিষ্ণান্ত বিষ্

न्में शर्ने का

abla પ્રત્યાસલેશ, સર્લેશ, ત્રાંસું સ્વયા, ગ્રી, ત્રેવા, સ્વર્ય, ક્રીને, લેવુ, ત્રી, ક્ષ્યા, ત્રાંસું ત્રી, સ્વર્ય, સ્વર્ય, સ્વર્ય, સ્વર્ય, સ્વર્ય, ત્રી, ત્રાંસું ત્રી, સ્વર્ય, ત્રાંસું ત્રાં ત્

टेशक्रिया

षट.च.श.लट.५.७१.५८. चांचेष.लट.ट्र.चेट.चोळाज.चर्सेचोळा.की.चर.चेट.टट.सूं.चेट.क्.लट.क्टेटन.खुषी के.लूट.श.टट. चांचेष.लट.ट्र.चेट.चोळाज.चर्सेचोळा.की.ले.ले.ले.चेट. क्.चो.जी.खुष.उट. टेट्थ.चोडीचोळा.सूंट.

র্ক্রবান্মন্যে, বৃহ-ষ্ট্রোর্মন-জ্বের্ট্রা নেষা-ছ্ব্র ক্রন্ত্র বিজ্ঞান্তর নির্দ্তর নির্দ্তর ক্রিন্তর ক্রিন্তর

यार्वेदयः वेदःश्चेत्रय्तिः क्विंशक्षेत्रयत्वाःश्चेदःविद्यः यद्वेतः विश्वः क्षेत्रः यद्वेतः विश्वः विश्वः

मिल्र-र्म्ब, इर.श्र.पट्- विधिट-व्याप-र्यात्वा विधिट-र्म्ब, श्राप्त विधिट-र्म्ब, श्राप्त विधिट-र्म्ब, इर.श्राप्त विधिट-र्म्ब, श्राप्त विधिट-रम्ब, श्राप्त विधित्व विधित्व विधित व

यमायह्रम् क्री'म्बर्म्यः वेरक्षिम्। यमायह्रम् क्री'म्बर्म्यः वेरक्षिम्।

षाक्रायेव'वे' बेर'क्रे'यदे' र्ख्याश्चेते'षाः अर्क्यस्थाव्याते'य्येव'वे'य्येव'क्षेत्र।

য়য়৵৽ঀঀ৾ৼ৾৽ড়ৢঀ৾৽য়ৣ৻৴ৼ৾৽ড়য়৻৴ৼ৾ড়য়৻ঀ৾৾য়৾ঀয়৻ড়৾৽ড়ঀ৵৻য়ড়৻য়৻য়৽ৼৼ৻ৠ৻য়৻য়৻য়৻য়৻য়ৣ৻য়ৣয়৻য়ৼ৻ ড়য়৵৻ঀঀ৾ৼ৽ড়ৢঀ৾৽য়ৣ৻৴ৼ৻ড়ড়য়৻৴ৼ৻ড়য়৻ঀ৾৾য়য়৸ঀ৾য়৸য়৻ড়৾৽ড়ঀ৵৻য়ড়৻৸৻ড়৻৸৻ড়৻ৼ৻ৠৼ৻ড়৻৸৻ৼ৻য়৾৻য়ৣ৻য়ৣ৻য়৻য়ৼ৻

ख्रिंबाक्रेत्रे त्वस्य द्वस्य क्षेत्र व्याप्त त्वस्य क्षेत्र व्याप्त त्वस्य क्षेत्र व्याप्त त्वस्य क्षेत्र व्याप्त त्वस्य क्षेत्र व्याप्त त्याप्त त

જાય. ક્રે. પ્રાંતર્ટ. હિંમયા. મધિય. છે. દ્વાયા. ત્રાદ્ધ મું. ત્ર્યા. ત્રાદ્ધ પ્રાંત્રા. ત્રાદ્ધ પ્રાંત્રા પ્રા

দ্বীমকান্ধবা, ভ্রম:গ্রু: বহুত:ভ্রিগন:গুন্রা ভ্রমকান্ধবা দ্বীন্দকান্দ্রিগন:জুন:গ্রু:গ্রুমকান্ধবা, ভ্রমকান্ধবা,

ॴप्रिंट्यंदर्शः वेरःश्चेत्रः वेंद्रःशः वेंद्रःशःवेंद्रःशःव्यवुष्णःपत्रेंशःव्यवुष्णःपत्रःशःव्यव्याः

लट.य. पर्विट.मु.लस.पिटस.पा.इ.सट.लुय.पेट. लट.य. प्रथट.टूर्य.स्था.स्था.मु.स.लुय। पर्यंग.पर्वेट. इस.भ्र.पट्ट. पर्यंग.पर्वेट.रट. लट.य. प्रथट.टूर्य.स्था.स्था.

क्री.विश्वश्वातीयोत्वा, वृत्तःश्वर्यात्वेश्वश्वर्यात्वेश्वर्यत्वेश्वयत्वयत्वयत्वेश्वरत्यत्वेश्वरत्यत्वेश्वर्यत्वेश्वयत्वयत्वेश्वयत्वयत्वयत्वयत्वयत्वयत्वयत्वयत्

विमान्येव वेर में पर्ने विमाने वेर प्राप्त प्रमाने विमाने विमाने

प्रमा प्रमा प्रमा प्रमा प्रमा प्रमा के स्वाप के स्वाप के स्वर्ण क

વ્યય: ભૂમ કૃંતુ ત્યાયા તદ્દેય ત્યો કૃંત્યું ત્યાર ત્યા ત્યાર ત્યા ત્યાર ત્યાય ત્યાર ત્યાય ત્યાય ત્યાર ત્યાર ત્યાર ત્યાર ત્યાર ત્યાર ત્યાર ત્યાર ત્યાર ત્ય

गश्याम्मर क्षे में देव फार्म प्रमा

प्रवाहिम्मा स्थान्त्र स्यान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्य स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्यान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्य स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्यान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्य

র্ম্মান্ত্র, ৺ না ব্যাত্ত্ব, ৺ না

নমান্ত্র'র্ম'বার্থপা ও বা ব্রিমান্ত্রী'যেপ'রেইর'বাপ্র'নর্ত্ত্বাপা

ग्रयः पर्दुग्रयः कुः देवः युः दर्गे प्रये स्वर्गे कुद्

ন্মান্ড,ট্রেপ্রপা

র্দ্রিম স্থ্রবি অব্যবহর ক্র মি ব্যাসন্ত বিদ্যা

্ র্মি:ইন্ট'অম'নেইর'নেই'নানুদ'নিম'ম'ন্নিম্ম'নেন্ত্রন'ফ'ম্ন্'নান্দ'নান্দ'নান্দ'নান্দ'নান্দ'নান্দ'নান্দ'নান্দ'নি অম'নেইর'ট্টা'নেইর'র্মুদ'নান্দ'নান্দা'নেইর'নেন্না'মেন্ত্র' ক্রাম'ম্ম'নির্বা'মেইর'ইন'নান্দ্র'নান্দ্রম'ম্ব্রা'ম্

यशःक्ष्यं.यंट.योजुलः उत्ता व्रूशःक्रीःक्क्र्योकाती

<u>ม</u>ีร:จรรๆ

ন্মু বার্মু বা

- ୨ o বহুব'ৰিমশ'বহু'হ্হ'বেদ্ৰিঅ'দ্ব'ন্ত্ৰ্বাশ'দক্তি'ৰ্ম্ক্ৰাশ'দক্ত'ন্ত্ৰ'ন্দ্ৰাশ্ৰম'ন্ত্ৰ'ল্পন্
 - 9 ਡ੍ਰੀ.ਸੁੰਘ.ਸੁੰਝ,ਸੁੰਤ੍ਰੀ ਗ੍ਰੀ.ਸੁਆ.ਸੁੰਦ,ਸੁੰਤ੍ਰੀ
 - হনানহন্ত্র।

 ত্র দুষ্যান্ত্র্র ন্র ন্র নুর্বান্ত্র ন্র নার্থ নার্ক্র ন্র নার্ক্র ন্র নার্ক্র ন্র নার্ক্র ন্র নার্ক্র নার্ক্র

- \sim ਬੁੱੱਕਾਡ੍ਰੇਹੋਾਧਕਾਰਵੇੱਕਾਗੁੈਾਪੁੱਾਸਲ੍ਹਨਾਰਲਨਾਨ੍ਹੰਘਾਨ੍ਨਾਰਬੇਧਾਸਨੇ ਬੁੱਕਾਰਲਨਾਨ੍ਹੰਾਪੁਸਲੂਨ ਕ੍ਰਿਹਾਰਸਨ੍ਨੇ ਗੁਕਨਾਸ਼ ਬੁੱੱਨਿਕੇ।
- प- र्सिश.क्री.क्र्याकातायट्टी.की. यर्चीया.यांधीट.ट्टा. लट.थ. क्ट्रार्ज्ञथ.ट्ट्रिय.क्रीका.ययोथ.यांथीट.यां.क्र.
- ८- इर र्खेय'नवर पेंते'रर त्युग्र पर्वे 'रेग्र 'ग्रु' हिर केंग क्रं के 'क्रं के 'क्रं पर्वे प'ग्र निर 'र्वे प

क्र्येश.तद्य.पर्धेश.श्री

- ११ केंग्रिंग पारे वित्रा सु रहुं ५ ५ वित्र भा
 - १ वाल्र वीयान्स्री चलवा वास्र स्पर्ध प्राची पर्देश
 - व्- विंग्र-दर्भेत्।
 - द्विया है 'विष्यु' प्रकृत 'विश्वस्य 'विद्युत्य है 'प्रकृत्य क्षेत्र क्षेत्

चश्रःक्ष्यं वटः योजेलः ३ यो क्ष्यं सार्यः त्रह्यं संग्रे चर्चयाः त्रह्यं त्यायः त्युयाला

ত্ত্বিশ্বান্ত্র বিশ্ব ক্রিন্ট্র ক্র

क्र्यायातप्र तस्य शास्त्र तयन् सम्या

- ७३ क्र-ज़िंब,ट्यट,जहुंब,क्रीआ,य्र्युत्ताक्षां अत्राज्ञी,योषट,या,क्षेत्र,यी, क्र्यूयीय,क्री, व्याप्तां क्री,यंव भव-देट, लट,क्षेत्र,ट्या,ता,क्षेत्र,यंव्याक्षेत्र,देट,ज्य ही स्वाप्त,क्षेत्र,या,क्षेत्र,या,क्षेत्र,या,क्षेत्र,य
 - १ पर्वा प्रम् प्रम् है प्रम् है प्रम् हैं अर्पे हैं अर्पे प्रमु हैं हैं
 - २- विंश'न्यें कुंश'नर्थन'यम्'यम्'यन्'कें रे कें रे ज्ञान्य प्रमुख्य प्रमुष्य प्रमुष्य प्रमुष्य प्र
 - ন্ত্ৰনা, বুৰ্যা, বহুৰা, বহুৰ, বুৰু নু, বহুৰ, বহুৰ, বহুৰ, বহুৰা, বহুৰ, সুত্ৰ, কু, বহুৰ, বহুৰ, বহুৰ, বহুৰ, বহুৰ, বহুৰা, বুৰুৰ, বহুৰা, বহুৰ, বহুৰ, বুল, বহুৰ, বহুৰা, বুৰুৰ, বুলুৰ, বহুৰ, বহুৰ,

র্দ্রবাম:ক্রুর'নর্ব্তবাম:ক্রুবাম:ক্রুবামার্ন্রর'র্বিম:র্বেম:ব্রহ্বর্বাম:ক্রুবামার্ক্রবামার্ন্রর

- १८ र्केन्याक्षेत्र पर्व्यायार्केना भ्राप्तरे पर्व्यापित भ्राप्तर भ्रापत भ्राप्त भ्राप्त भ्राप्त भ्राप्त भ्राप्तर भ्राप्त भ्राप्त भ्रापत भ्राप्त भ्रापत भ्राप्त भ्रापत भ्राप्त भ्रापत भ्
 - गरे के के अभिकां के प्रदेशकर के प्र
 - বিব্ নহ্মান্ত্র্বিরেন্ড্রান্ত্র্রাপ্তর্ম কর্মান্ত্র্য

বর্থাপরেষ্ট্রপ্রবর্ণরহ

- १ प वर्षमा प्रमु दे न्यार्वे स्यारे से प्रमित्र कर प्रमद द्र्मी
- १८ বর্ষবারের দ্রান্ত্র সংখ্যাবি বিশ্ব ক্রমার্র বার্থি বিশ্ব বিশ্ব
- १० वि.एकश.श.र्व्यकाता. व्यव वालट. चतु. क्ष्यं का किया वर्ष्यका है। यही देवी
 - ন্ধুৰ, ই.তেৰ্ বৃ.জুৰ।

 জুৰ,ৰ, ইত্ত, গ্ৰীদ্ধান্য শান্তৰ, শ্ৰুৰ, শ্ৰুইন, শুনুৰ্ব্যান্ত, শুনুৰ, শ্ৰুন, শানুৰ্ব্যান্ত, শুনুৰ, শ্ৰুৰ, শ্ৰুৰ

 - पद्यम्भः भ्रान्ते । भ्रान्तः विषयः प्रम्यः विषयः । प्रमः । प्रमः । प्रमः । भ्रान्ति । भ्रानि । भ्रान्ति । भ्रान्ति । भ्रान्ति । भ्रान्ति । भ्रान्ति । भ्रानि । भ्रान्ति । भ्रान्ति । भ्रान्ति । भ्रान्ति । भ्रान्ति । भ्रानि । भ्रान्ति । भ्रानि । भ्रानि

বহুষ'ঐ'দ্ধ্বিদ্য

0 < 1 ក្នុង, កម្មភា, ភេដ្ឋ, មក, គ្នា, គ្រេងសា, ភៅជាសា, ឆ្លុំ ក្នុង, ក្នង, ក្នុង, ក្នង, ក្នុង, ក្នង, ក្នង, ក្នង, ក្នង, ក្នុង, ក្នុង, ក្នង, ក្នុង, ក្នុង, ក្នុង, ក្នុង,

त्रमुश्राधित्रम् क्रिया प्रति देश त्रम् स्ति ।

- - १ तर्श्वेषा.धा.धारसा.स्.सा
 - उ रहार्थे उप यश्रासक्हा है।
 - ३ नेअसःग्रहसःयंदिःयदेःश्री
 - र्बिंश झे 'यदे 'क्ट' त्यें 'तये 'देट 'झेंट 'सेंट 'क्षें 'त्यें '
 - u र्सिंश ब्रेंग्रे 'इस 'स्ट्रेंस 'यम्येया मु 'यन्ति 'यर्ज्याया प्राप्त 'ब्रेंस 'श्री
 - $G_{(3)} = \frac{1}{2} \left(\frac{1}{2} \frac{$

- विश्वभाष्यायाः स्वाचाः स्वचाः स्वचाः स्वचाः स्वचाः स्वाचाः स्वाचाः स्वाचाः स्वाचाः स्वाचाः स्वाचाः
- र र्क्ष्मिशः स्ट्रानी 'थिया स्ट्रान्द्रित' खु'खु' त्यन्द 'से दिः 'द्रान्द्रित' द्रान्द्रित' हिन 'धिव' से दिः से से दिः से
- 6 यर्थातपुःज्राह्र. (पप्र. मुरासाझ सार्क्षर सार्वे स्रो

বপ্তবারী বিশ্ব বিশ্র বিশ্ব বিশ্র বিশ্ব বিশ

२० र्ट्रेन.क्ष्य.३० तप्त.वट.ट्र्ने.क्षेप्रत्वची.तयट.क्र्यी जी.पश्ची.पद्ची.टट. लट.व. पश्ची.पचची.तयट.क्रु.टट. ट्रेम.लिय.क्ष्य.क्ष्य.क्ष्य.क्षेप.क्ष्य.क्षेप.लिय.क्षेप.ल

বেশ্বর'রিম'নেপ'স্থম্পা

ह्म जिस्ति हिंदे 'बे. कुट प्रकाश्चर्या स्ट्री ।

स्य अचल दिशक्ष प्राप्त अंद्रित क्ष्म क्ष

৫২ বিশ্ব প্লব্ম ব্যাহ্য করে বেশার প্লেইঃ

- १ वि.पह्रम.की.भी.भटेम.जी.सीता.थ..थ..र
- অন্যত্তির ট্রি'বিলা দেই য়ন্যার্কি কিব্রের দের্নি বিলিক্তি বিলা
- ঽ- ৴ৢ৻য়৵৻য়ৢ৾৻ঽৼৄ৾ঽ৾য়ৣ৾৻ৠ৾৻য়৾৾৾৻য়৾৻য়য়ৼ৵৻৴ৼ৻য়ঽ৵য়৻য়য়৴৻য়৻ড়য়৾৻য়য়ৄ৾৻৴ৠ৾৻

यद्यमा स्थापन स्यापन स्थापन स्यापन स्थापन स्

- ত প্লুম্ এট্রম দেই। অধি স্থান্ত নাধন নুম্ নিদ্ধান্ত নাধন ক্রিমান্ত ক্রেমান্ত ক্রিমান্ত ক্রিমান্ত ক্রিমান্ত ক্রিমান্ত ক্রিমান্ত ক্রিমান
 - भ स्वी. मु. १८८१ . स्वा. १९८१ व्या. १९८१ व्या. १९८१ व्या. १९८५ व्या. १९८४ व्या. १९८४ व्या. १९८४ व्या. १९८४ व्या. १९८४ व्या. १९८४ व्
 - उड्डिम'भ्रे'मीम'यम'यहॅ्ब'यु'भ्रेट'मिन्भ'ट्ब'प'यहॅ्च'है'मे'ड्डि'च'पश्रमम्प'रेब्रा
 - उ त्रह्म के 'दे 'मेश 'विट 'रट 'त्यु 'र्स्म 'पदे 'त्रमाद 'तुर 'त्रमम दि ते 'हूँ माश मुत्र के द 'पर 'हा अंद 'पर हा

- বহুপ'য়৾'

 বহুপ'য়'

 বহুপ'য়

 বহুপ'য়'

 বহুপ'য়'
- प यहामामान्यान्वीरमानुतिः तृतिः विष्यादि । यहिमानुति ।

क्र्यां अत्याद्यात्र स्त्राच्या स्त्राचित्र स्त्राचित्र स्त्राचित्र

- তথ্য প্রত্যান্ত্র বিশা
 - δ ପ୍ୟାୟକ: δ ପ୍ରମ୍ବ : ପ୍ରମ : ପ୍ରମ : ପ୍ରମ : ପ୍ରମ୍ବ : ପ୍ରମ୍ବ : ପ୍ରମ୍ବ : ପ୍ରମ୍ବ : ପ୍ରମ୍ବ : ପ୍ରମ : ପର୍ମ : ପ୍ରମ : ପର୍ମ : ପ୍ରମ : ପର୍ମ : ପରମ : ପ୍ରମ : ପ୍ରମ : ପର୍ମ : ପର୍ମ : ପର୍ମ : ପ୍ରମ : ପର୍ମ : ପରମ : ପର୍ମ : ପ୍ରମ : ପର୍ମ : ପରମ : ପର୍ମ : ପରମ : ପର୍ମ : ପର୍ମ : ପର୍ମ : ପର୍ମ : ପର୍ମ : ପର୍ମ : ପରମ : ପରମ : ପର୍ମ : ପର୍ମ : ପର୍ମ : ପରମ : ପର୍ମ : ପରମ : ପରମ : ପର୍ମ : ପରମ : ପର୍ମ : ପରମ : ପର୍ମ : ପରମ : ପରମ : ପରମ : ପରମ : ପରମ : ପର୍ମ : ପରମ : ପ
 - यस्याय्येष्यक्त्राक्ष्यः क्ष्याः क्षयः क्षयः क्षयः क्षयः क्ष्याः क्ष्याः क्ष्याः क्ष्याः क्ष्याः क्षयः क्षयः

পুৰাৰান্ত্ৰ প্ৰেৰাশ্বৰ প্ৰাৰ্থ প্ৰতি

रदायर्दिन्'अ'ग्रायर'यर'तृ'द्र्गेपा

- অশ্যমানাশ্বন্ধ নির্মাণ বিষ্ণান্দ কর্ম নির্মাণ কর্ম কর্ম নির্মান্দ ক্রম ক্রম নামান্দ নির্মাণ কর্ম নামান্দ নামান্দ

ग्र.चे≭.क्री.४८.≸्र.।

- ३० र्श्वे पुर क्षेर दे पश्च केर देव त्यु कर विषय दिव कि के प्र कि कि के कि कि
- द्भ्यः भः क्ष्र्यः पश्चितः वे त्या विष्या । विषय ।

नमः ह्य वर ने के विषय प्रति विषय

क्र्येश.तपु.र्धज.पर्ह्शशी

- यसायही, ट्रम्सि विवास त्यायहूर स्थायहूर स्यायहूर स्थायहूर स्थायहूर स्थायहूर स्थायहूर स्थायहूर स्थायहूर स्था स्थायहूर स
- ३३ र्ह्मन्यायदे नियायह सम्यायदे नुष्ट र्भिनायमा हार्मे ३ रेथे यय स्टार्क्य रे रेथियमा
- ४० क्रुवीयास्त्रीत्यात्रहूषायात्रम् । तहीयात्राक्षिय। १०० क्रुवीयात्रम् । वहीयात्राक्षियात्रम् । वहीयात्राक्षियात्रम् । वहीयात्राक्षियात्रम् । वहीयात्राक्षियात्रम्
- વેતા. ત્રક્ષ્મ ત્રક્ષમ ત્રક્મ ત્રક્ષમ ત્રક્ષમ

ৰবা.শের্ছুপ্রথ.শ্রী.শূর্ব.সূহী।

- ५० वण'वर्हेंसस'मदर'रे'मदर'र्छन्'म'र'म्वस'मस्यापस'य्स्यमस'र्छ्'न्रर'व्येष्य'न्वे।
 - १ नया पर्हेसमा ने ने पतित चुं में मार्के पहुं में में पत्ना ने
 - मूंब्राक्ट्रायदे द्वाया प्रमुख्या प्रमुख्या प्रीया अप्राप्त विया प्रमुख्या विया प्
 - য়ৢ৽৵৽ড়ঀ৽ঢ়ড়ৢ৽য়ঢ়য়৽য়য়৾য়য়ড়ৢ৽য়৽ড়য়৽৽য়৽য়ৼয়ৼ৽ঢ়৽য়৸৽য়ৢ৵৽ড়ৄৼ৽য়ঢ়য়৽য়য়য়৽য়য়য়য়ৼৼ৽য়ৢয়ৼ য়ৢ৽৵৽ড়৸৽য়ড়৸৽য়ড়য়৽য়য়য়য়৽য়ড়ৣ৽য়৽ড়য়৽৽য়ড়৽য়ৼৼ৽য়ৢয়৽৽

विषाय**्ट्रश्चरा**क्कीयर न्यं

३८ दिश्यामार्स्याय प्रमाणिक वाची में मालाय विष्यात्र में मालाय विषय है स्वर्थ के स्वर्ध के स्वर्थ के स्वर्थ के स्वर्थ के स्वर्थ के स्वर्थ के स्वर्ध के स्वर्थ के स्वर्ध के स्वर्थ के स्वर्थ के स्वर्थ के स्वर्ध के स्वर्य के स्वर्ध के स्वर्य के स्वर्य के स्वर्ध के स्वर्य के स्वर्

वयायर्हें अषावरार्करार्ने प्रयोग्यहेषा अये मार्यार्करा

क्र्येश.भेष.पर्श्वेयेश.घटशा

অপার্কুমানার্ক্রমান্ত্রমানার্ক্রমানার্ক্রমানার্ক্রমানার্ক্রমানার্ক্রমানার্ক্রমানার্ক্রমানার্ক্রমানার্ক্রমানার্ক্রমানার্ক্রমানার্ক্রমান্ত্রমানার্ক্রমান্ত্রমানার্ক্রমান্ত্রমানার্ক্রমানার্ব্রমানার্ক্রমানার্ক্রমানার্ক্রমান্ত্রমানার্ক্রমানার্ক্রমানার্ক্রমানার্ক্রমানার্ক্রমানার্ক্রমানার্ক্রমানার্ক্রমানার্ক্রমানার্ক্রমানার্ক্রমানার্ক্রমানার্ক্রমান্ত্রমানার্ক্রমান্ত্রমান্ত্রমানার্ক্রমান্ত্রমানার্ক্রমান্তর্বর্বরমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্ত্রমান্

नमः ह्य द्वा ने क्षा विकार में विकार में क्षा के प्राप्त का के प्राप्त के प्र

चक्रीं चलग मी 'नुश्र खुद्रा

८१ विंस'र्नेव क्वै'नक्षें नवनार्त्र स्तुद 'यदे 'मत्र नो नगत'र्र रखेल'र्नेव

ন্ম'নেবাৰা

- ह्म प्राप्त क्षेत्र क
 - १ क्रिंश श्रेते 'यम 'यह त' ग्रीम 'र्कें नम 'यते 'यमिं ' मुं 'दर 'यहीय 'हे 'यय द 'द में।

 - र्वेच्यत्रत्यत्र्त्त्र्त्त्र्यः क्षेत्रम्यः स्वेष्यः स्वेष्यः स्वेष्यः स्वेष्यः स्वेष्यः स्वेष्यः स्वेष्यः स्व र्वेच्यत्राच्यत्रः द्वीः विष्यं स्वेष्यः स्वेषः स्वेषः स्वेषः स्वेष्यः स्वेषः स्वेष्यः स्वेष्यः स्वेष्यः स्वेष्यः स्वेष्यः स्वेषः स्वेष्यः स्वे

 - प्रमान स्थान स्था
 - ८ र्हेंग्रम्पते'त्र ह्युम्भाने ते दुर्हे ते कुं त्रम् । त्रम् । त्रम् । त्रम्

 - < र्गेर मो त्यु त्याव रही मी शास कि प्रमा मानु हो में शास के विकास के मि त्या प्रमान के स्वाप के स्वा

ज्याराह्र्य क्रि. क्रिन्य स्वत्य प्राप्त प्रत्य प्राप्त प्रत्य प्राप्त प्रत्य प्राप्त प्रत्य प्राप्त प्राप्त प्रत्य प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त

यु'त्रवाद'याश'न्वेरिश'वु'वातर'वरशा

ब्रिशक्रियः त्यसायह्रव क्री.यी.चाल्यानाः स्री

- ৼ ড়ৢঀ৾ঀ ড়ৢঀঀ ড়ৢঀঀ ড়ৢঀঀ

े वि'निर्म्मन्द्रिं विंद्यः क्रेते 'य्यय'त्रह्रेत् 'त्र द'न्नत्य' स्वर्मः विद्या

८७ वितृह की त्या मुर्थिवाय त्यवह वाद्यक्षिय है। विष्वति वाद्यक्षित्र मुर्थिवाय हुं हिंध भ्रेति त्या परिवह कि व इंद्रेव वितृह्ण के वितृह्ण वितृह्ण के वितृह्ण वितृह्ण वितृह्ण वितृह्ण वितृह्ण वितृह्ण वितृह्ण वितृह्ण वितृह्ण

ग्रदशर्भेर म्हरम ५ मी प्रमाश्वा

- च्य यमायहें म्हा व्याप्त क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र प्राप्त क्ष्य विष्य क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र क्षेत्र
 - १ विंदः ह्रं म्वर्मः स्रेन्य निर्मा न
 - विंदः हुं 'शु'न्वेंद्र मुले 'वार्येवा' दश'न्द हें चात्र स्थान्त हुं 'वात्र कें वात्र कें वात
 - ঽ विंदः र्द्धं वी 'दर्क्षें 'हे ब' स्न' प्रह्मा 'सुन्न' सुन्न' दे किया र्केंद्र' खोब 'दे 'खेब 'दि 'यी 'देंब' 'खे' 'खे' दिंब 'खेन' दे कें 'खेन' दे '
 - ब्रीट्-त्रक्ट्-हेब-अ-दिलाक्ष्य-यात्र्य्-त्रक्ट्-हेब-अ-दिलाक्ष्य-त्रक्ट-क्ष्य-व्यक्त्य-व्
 - त्वर्तात्यर्तात्व्यत्राकृषात्वस्य व्हत्यात्यस्य व्हत्य व्यात्वस्य क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र व्यात्वस्य व प्रवर्तात्यर्तात्वस्य क्षेत्र व्यात्यस्य व्हत्य व्यात्यस्य क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र व्यात्वस्य क्षेत्र व्यात्वस्य क्षेत्र क्

নম'ৰ্ছ্ছর'ৡ ঘা

ब्रिंश हेते 'यश प्रदेश कु 'यु वर्षिवा 'न्र 'न्य र रहंन 'यवा र विवा ही।

चश्राक्ष्य वर वा अभारत विश्व केंद्र वा विश्व क

ষ্ট্রী-মান্দ্র মান্দ্র বার্দ্দর

- ভব নহত্ত, ট্রেমপ্র, তেই, ন্রা, প্রদ, নূর্য, প্রস্কৃত্র, নির্মান্ত্র, তেও, তেই ব ট্রি, ত্রে, নার্কু নার্কি নার্কি, নার্কি নার্কি, নার্কি নার্কি, নার্কি নার্কি, নার্কি নার্কি, নার্কি
 - र्वेश क्षेत्र व्या क्ष्रिं क्षेत्र क्षेत्र

 - ८ कुळा मल्ट मेला मारा मारा महर हो मी ज्यु रहुं मा है सर कि सुर रायम पर्मी।

र्श्वेगश्चर्यश्चरायुःगर्धेगा

🤈 ন্ত্রী-মেন্দ্রেম্মে স্ট্রান্ট্রান্

- बे'क्वेद'चगावा'व्यव्यः ५८'खुट'क्वेदा'व्यन् देश
- दर 'त्रोवर्' कुं भ्रां सुर 'त्यु 'वर्षिव 'र्र ' लेद 'खुर 'वी 'त्यु 'वर्षिव 'र्सु
- ঐয়৵৻ঽয়ৢ৻য়ৢয়য়ৢঢ়ৢয়য়য়ৢ
- ঐয়৵৻ঽয়৻ঢ়য়য়৻৸য়ৢ৾ৼ৻
- ह्वाक्षित्रामान्यस्योद्धान्यस्यम् वित्याचित्रामान्यस्य वित्याचित्रामान्यस्य वित्याचित्रस्य स्याचित्रस्य स्याच्यस्य स्याचित्रस्य स्याच्यस्य स्याचित्रस्य स्याचित्रस्य स्याचित्रस्य स्याचित्रस्य स्याचस्यस्य स्याचस्यस्य स्याचस्यस्य स्याच्यस्य स्याचस्यस्य स्याचस्यस्य स्याचस्यस
- धुवाःक्षेवायःचगावाः व्रवसा
- नग्रमः क्रेंब्र केंद्र मेंब्र रायन येव पर्ने प्रदेव।
- য়ৢ৻৴য়ৼয়৻য়ৣ৾৻ড়ৢয়৻য়ৢৼ৻য়য়ঢ়৻৴য়ৄ৾য়য়৸৻ড়ৢ৾।

৴ য়৾৽৾৾ৠৼ৴ৼ৾য়৽ৼয়ৼয়৽ঢ়ৢ৽ঢ়ৢ৽ঢ়ৢয়৾ঢ়ঢ়৾য়ঀ৾৽য়ঀয়ৼ৻৻

- गञ्जगल।पर्यस्य पर्वेद प्रश्लेव क्षेत्र क्षेत्र के प्रस्त के प्रमः

- มารมะพาตาตพะาฐิรา
- ন্যা.শ.পুৰা.নতু.কৌ. কুমানানান্য ব্যবস্থা
- रुप्तः वित्रः क्षेष्टिमा स्टिन्
- गर्डर स्थूरि निय रधुरा

उ शक्दायकर मिन पर हीं र खुम्भा

- রক্তম শ্লি'ব্দ ঋ'রেট্রিঅ'নরি'র্নি'রেঐঅ'নশ্লিশ প্রনশ্
- ট্রিম'ন্দ'র্মূন্'বার্কা
- ४७७३ हुँ ५७५५ गुः १००४ गुः

८ अर्दर'विअःक्षेग्यू'नार्थेना

- यद्यराक्ष्याभाष्ट्रीयान्दर कुःवासुर वर्ष्ट्वार्तरा
- শক্ত'র্ক্সিন্দের্থকান্ত্রী'অশ'ইয়া
- श'ख्रअ'चमुच'दे'द्र'श्रेर'र्हे'दे।
- ট্রিম'ঝ'নর্ग্'রেৼঝ'ৼৼ'য়৾ঽয়'য়ৼয়ৢ
- শক্ত (শি ইশ শুঅ) মহম বী

u ଞ୍ଜିମ୍ଞ୍ଜିନ୍ୟନ୍ୟ ଅଧ୍ୟର୍ଷିଦ୍ୟ ଶ୍ରି ପୁ 'ବାର୍ଦ୍ଧିକ୍।

- য়ৄয়৾৶৻য়ৼ৻ৼৼ৾য়৻ৼয়ৼ৶৻য়ৢ৻ড়ৼ৻ড়ৢয়৾৾য়
- क्रेन् क्रें क्रेन् क्रेन् क्रेन् क्रेन् क्रेन् क्रेन्
- ग्रीट'न्याय'न्ट' श्रुम'म' चन्या'सुट'यचन्'चत्वा'न्वे प्यते सामा
- য়ৢ৻ঽয়ৼ৵৻য়ৄ৾৻ৼৄ৾য়ৢ
- অমার্শ্রআ

- ৰুষাঞ্জী:মুঝাঝা
- भ्रेष्यभाद्राक्षः क्रियाहेषा प्रात्री
- त्रीमारमुयारमीरदोत्राह्म रहा
- র্থিমান্যমাওমনান্ত্রমান্দানার্থদাস্থা
- ব্রিম'অম'ক্রী'র্ম্মবা'মা'ন্দ'নইবা'বাধ্যুমা

विकाश्चे त्यमायदिन कुः स्वतः विकासन विका

- ব্যুঝ'ব্রেম'ন্ব্ন'শ্রী'ল্লা
- क्क्रेयायडेबा
- গ্ৰহণ ৰ্ভ্যান হ' শ্বিদ্য
- र्ट्हेंट 'न्ट 'मर्डे 'म्' त्यु 'से अस्य 'न्मिय महिन 'मठ्या है ते 'त्यू ।
- र्रायतेत्र गत्रसास्रास्य से ज्ञासास्य स्थान स्
- ৸ৼ৾৽ৄৼৼৼয়য়য়য়ড়৾ৼ৾য়ৢ৽য়য়য়
- विंशःश्रेतः यद्वाः श्रेटः।
- নাহ্ম-জ্বৈ-জ্-দ্রুদা
- ট্রেম:গ্রী:প্র:স্কুন্যা

चम्राक्ष्यं वर वा विका केंद्रे वा विका केंद्रे वा विका केंद्रे

ชิงสาย

५० র্ষিপ্ত ক্রম্বর্ধ ক্রিপ্ত বহর বিষ্ণান্ত করে বিষ্ণান্ত

र्श्वेगश्चाश्चार्यरार्द्धर्।

- ५ वंश ब्रेंदे यान प्रहें त्यु वा व्यापित की प्रवास कर की विकास की
 - 9 বিশাবেশশাব্দাবেশ্বার ক্লার্ক্ত ব্দানকরে অমাশার্দিশ পার্ক্তিশা
 - त्या है स्या है स्या है त्या है तो सह स्वत्य है के त्या है से स्वा स्वत्य स्वत्य स्वत्य स्वत्य स्वत्य स्वत्य स स्वत्य स्वत्य
 - ব ট্রম:য়্র'অম্বরের গ্রীম্ম্মান্রর র্ড্রান্রম্ম্বর্ম নাম্র্র্মার্র্র প্রান্তর্মার্র প্রান্তর্মার প্রান্তর প্রান্তর্মার প্রান্তর্মার প্রান্তর প্রান্ত প্রান্তর প্রান্তর প্রান্তর প্রান্তর প্রান্তর প্রান্ত প্রান্তর প্রান্ত প্রান্তর প্রান্ত প্রান্ত প্রান্তর প্রান্তর প্রান্তর প্রান্ত প্রান্ত প্রান্তর প্রান্ত প্রান্ত প্রান্তর প্রান্তর প্রান্ত প্রান্ত প্রান্ত প্রান্ত প্রান্ত প্রান্ত প্রান্তর
 - त्रं नांस्या मी मिया मैं मार्म्य से प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र प्र
 - प विं अर्थेते 'चन्ना क्रें न्वे 'चन्न' देव 'न्न' विं अर्थे क्रिंगे क्

- विश्वां क्षेत्र व्याप्त क्षेत्र व्यापत व्
- द्रिंश क्रि. के. त्यंत्र त्यं वा क्र्यो। र् व्रिंश क्रि. के. त्यंत्र वायं श्रः क्रिंश व्रायं वायं व्यायं वायं व्यायं वायं व्यायं व्या
- प्रवास क्षेत्र क्षेत

ब्रिशक्रिय् वायायह्र व क्री हियी

- ua विंशः ब्रेतिः त्यमः तद्देवः वीः विद्यः तदीः वान्यमः वाम्यतः व्यवः द्वारः द्वी
 - विद्युःदिन्द्रमः विकान्नेद्यायमादिक्षः क्वेष्ठिः व्यक्षः द्वा विकान्द्रमः विवानिक्षः विकान्द्रम् विवानिक्षः विकानिक्षः विवानिक्षः विवानिक्य
 - वितु'त्रने'र्बिंश'बेंदे'त्यश'त्रहेंद्र'क्चै'धेवा'र्क्ट'द्रह्'द्रह्मववा'न्वें।
 - वेतु'त्रने'त्यम'त्रहें क्' क्वें 'बिसम' स्युगम'न्न' त्रिवा ने' त्रक्र हें ने 'त्रनन'न्नें।
 - इतुःयरे: प्रमरः र्क्षन् : उत्रः क्वीः अध्याः प्रमः विवासिकः वार्षेषाः चर्गेषाः यस्परः पूर्वेषाः

বেট্রবাঝ.ছ.ঘূর্.ঘ্রমে

श्रः ब्रेतः र्देव खुः तयन र ने में प्यते खुः तया वा

त्र स्था क्रेत्र त्या प्रत्रेत् क्षेत्र प्रत्य क्षेत्र प्रत्य क्ष्य क्

र्टेज.पज्ञज.की.जी.पवीथी

सहीय, धूरा, जियन, जायो, जाय प्रह्मा, खुर्स्स, खुर्स्स, स्था, याया प्राप्त क्षा, जी स्वार स्था, स्था,

वर्षिट.धी.हीबा.धी.ट्रमू.तपु.धी.पवाथी

- ૫૯ ૉક્સ ફ્રેવે પ્યન્ન પ્રદેશ હોના ફ્રિયા ફ્રેપ્ટન પ્રદેશ પાત્ર પ્રાપ્ત પાત્ર પાલુદ છે છે . ફ્રેયાના હોના ફ્રેયાના ફ્રેયાના ફ્રેયાના ફ્રેયાના ફ્રેયાના ફ્રેયાના ફ્રેયાના ફ્રેયાના ફ્રેયાના ફ્રિયા ફ્રેયાના ફ્રેયાના ફ્રેયાના ફ્રેયાના ફ્રેયાના ફ્રેયાના ફ્રેયાના ફ્રિયાના ફ્રિયાના ફ્રિયાના ફ્રિયાના ફ્રિયાના ફ્રેયાના ફ્રિયાના ફ્રેયાના ફ્રિયાના ફ્રિયાના ફ્રિયાના ફ્રિયાના ફ્રિયાના ફ્રેયાના ફ્રિયાના ફ્રિયાન

क्र्य-स्व 'न्यर 'प्रहें व 'न्र- मुठेग 'प्यर अध्व व 'प्रमेण

यः बाल्यानः सार्यान्य । स्वाप्ति ।

বমাহ্ছ্ৰ 🗢 বা

ট্র্পার্ক্সপ্র-প্র-প্র-প্রস্থা

ট্রেম্যক্রিয়ে শেরমঞ্চমনা

৬৫ রিম'ইঐ'ম'মর্কমম'নশ্অ'র্র'দ্র'নশ্অ'র্রিমম'শ্রী'শ্বদ্দ'নশ্রুন'দঐ'র্রক্রম'অম'র্কর্'র্হ্র্র'ন্দ্র্দ'র্ত্তর্ম' লশ্সন্ত্র্ন

ট্রহার্কুণ্ড.ঝ.মছ্মঝ.এল্পী.ম.এ.এ.এমানীএখা

- ८८ क्र- 'संब' 'र्यार प्रक्रिं 'प्राट प्रांति 'र्यो बरा ख्रिषा ।

 क्रिया विक्र 'र्यो विक्र प्राट प्राट प्राये प्रायं प्रा

चम्राक्ष्यत्त ना विभान्ने यमायह्य ती. विभन्न ती विभन्न वी विभन्ने विभन्न विभन्न

चम्राक्ष्य वरायां क्ष्या १ या वरायां वरायां वरायां वरायां वरायां वर्षा

बर रविंद की बिस्न ख्वान की रामहर।

- ৬০ র্ষিম: ই'অম'তেইর' ট্রীম'মন্তত্র' ব্রিমম'তেই' নী'র্ন্রর' করের' ৬৴ ધ'ন্ন' ৬৫ ঘত্র'রন'র্ন্রর' শ্বম' ট্রী'আম'ন্রর'র্দ্ধ অবা' অই 'ত্রেরন'র 'বী'র্ন্রর' ব্রেমম'ত্মবামান্ত্র' নার্র 'র্কিবা ব্রিমম'ত্মবামান্টর্ন্র, শ্বম' দ্রী' আমান্রর'র ন্ন্নের্ব্রত্য'ন স্টেন্নিজন 'র্ন্ন' ই'র্ক্ত্র' নীম'ম'র্ন্নিজন 'ভ্রম' ব্রিমম'ত্মবামান্তর্মির 'শ্বম' জীবা
 - उद्युर-त्युत्ताः चन्ताः अन्तिः श्वेताः श्वेत्ताः अन्तिः अन्ति
 - र्म्स्ट राष्ट्रोता ती. यप्ट्रेय ताय ताथा तीया . क्ट्रायी त्या ह्या . यावया . यावया . याव्या . याव्या

- भ्रामी केंद्र प्रमास मी मह मही स्वर्ग केंद्र मही स्वर्ग मह मही स्वर्ग मही स्वरंग स्वरंग मही स
- $\frac{1}{3} \frac{1}{12} \frac{1}{12}$

५:देश'यम'येद'रद्वन'श्रे'र्से५'द्वै'मैं'विद्यश'युन्य'५८'ख्रै५'ड्यूश

শ'হ্রত্র'বদ্বা'য়ৣ৾দ'অয়'য়ৢঀ৸

विकार्श्वे में ८ त्रवेषा क्षे त्रकर मिल ५८ त्रविषा ५ में निष्मा

- लेक्स खेत्र विस्ति विस्ति त्या क्रिस खेत त्या क्रिस क्रि

नमः क्षेत्र द न विभागः यो विभागः योगाः यो । विभागः योगाः योगाः योगाः योगाः योगाः योगाः योगाः योगाः योगाः योगाः

ख्रेबा प्रचमः में देवः में त्रिंश्चरः मायाः में अध्याः में मायाः में मायाः में प्रच्यतः में प्रच्यतः में भारत्यतः स्थ प्रचमः में प्रच्यः में प्रच्यः में प्रच्यः में प्रच्यः में मायाः मायाः में मायाः मायाः में मायाः में मायाः में मायाः में मायाः में मायाः मायाः में मायाः में मायाः माया

- र.पर्ययः प्रथिः प्रश्चितः क्र्या विकायक्षेतः क्रियः प्रथिः प्रथः प्रथिः प्रथिः प्रथः प्रथिः प्रथः प्रथः
- ત્યન્ય ત્વસ્ત્રાન્ત્રી ત્રાં ત્રિક્ષાન્ત્રાં ત્રિક્ષાન્ત્રાન્ત્રી ત્રિક્ષાન્ત્રી ત્રિક્ષાને ત્રિક્ષાને
- ত্রমকার্মনান্দ্রের্বান্ত্রেরা বর্ষ বিষ্ণান্ত্রেরা বর্ষ বিষ্ণান্ত্রর ক্রিমান্ত্রর ক্রিমান্ত্রর বিষ্ণান্ত্রর বিষ্ণান্ত্র বিষ্ণান্ত্য বিষ্ণান্ত্র বিষ্ণান্ত্য বিষ্ণান্ত্র বিষ্ণান্ত বিষ্ণান্ত

चन्न.क्ष.यट.चोजुन.३ तो न.कपु.धीट.पदीयो

ખુલ સ્થિત છ્યુવા પ્રાથમ પ્રામ પ્રાથમ પ્રામ પ્રાથમ પ્રામ પ્રાથમ પ્રાથમ પ્રાથમ પ્રાથમ પ્રાથમ પ્રાથમ પ્રાથમ પ્રાથમ પ્રાથ

বমাৰ্ছ্ছৰ ও বা

विंशक्षेते 'यान' तहें न कुन 'यान' यो न 'तहा न ने 'मी' अह्य न कुन 'यु 'मी 'देनाना

<u>ม</u>ู๊น ฺฉรฺนา

 $\sqrt{\alpha}$ ଜୁଁଷ.ଛୁଁଓ.ଘ୍ୟ.ପଞ୍ଜୁ ପ୍ରସ୍ଥ । ପ୍ୟୁ । ପ୍ରସ୍ଥ । ପ୍ୟ । ପ୍ରସ୍ଥ । ପ୍ରସ୍ଥ । ପ୍ରସ୍ଥ । ପ୍ରସ୍ଥ । ପ୍ରସ୍ଥ । ପ୍ୟ । ପ୍ରସ୍ଥ । ପ୍ରସ୍ଥ । ପ୍ରସ୍ଥ । ପ୍ରସ୍ଥ । ପ୍ରସ୍ଥ । ପ୍ରସ୍ଥ । ପ୍ୟ । ସ୍ୟ । ପ୍ୟ । ପ୍ୟ । ସ୍ୟ ।

यं.चालूचा.प्रचा.प्रचच.स्चर.धूर.ध्री

- ω_{1} ર્શિસ ક્રેપ્તે. ત્યના ત્વે. ત્યું ક્રિયા ર્શિસ ર્શ્વાના ત્વાના ત્વાના
- चाता.सून् . विचा.तयचीताने. चीसा.वचा.तयचा.ची.तयचे. क्री.तासा.तयचाता.सून् . चीसा.सून् . विसा.वच्या.स् . विसा.सून . विस.सून . विसा.सून . विस.सून . विसा.सून . विस.सून . विस.स

द्यायः क्षेत्र। इंग्याः क्षेत्र।

यु:रेग्रथ:सर्द्धस्य:यर्ह्ग्य:यन्दर्दि

४० र्सिम् श्रेतिःत्यम् रहेत्। यहेत्रः श्रेमः स्विनः त्यम् रहेत्। यात्राम् र्याः स्विनः स्विन

নম'ৰুধ',ত না ট্ৰ্ম'ৰুণ্ড'নম'নেইৰ',ত্ৰী'ন'ন্ট্ৰন'নী

নমাৰ্ক্সবাধ্য প্ৰ

५५,०७१३०७७,५०८.क्री

ર્ગ ક્રિંશ.જંગ્રંતાત્રાત્રીયોત્રા.ક્રેય.વેં.વર્ષ્ટ્ય.ક્રેયા.શે.વેં.વેં.વેં.તેય.તેંગ્રંત્ર.ક્રેય.લેં.તેંગ.વેં.તેં.તેંગ.વેં.તેં.તેંગ.વેં.તેં.તેંગ.વેં.તેં.તેંગ.વેં.તેંગ.વેં.તેંગ.વેં.તે

বাৰ্দ্দেশ শুশু বাৰ্শ মঞা

- - े मूंश. कंट्र. लट. ये. त्याये. झेचय.तयट. ट्र्मूयत. त्यूच्य. त्यूच्य. त्यूच्य. त्यूच्य. व्यूच्य. व्यूच
 - यह्मान्त्रः भ्रम्यमान्त्रः । व्यह्मान्त्रः भ्रम्यमान्त्रः । व्यह्मान्त्रः भ्रम्यमान्त्रः ।
 - उ र्सिंश हेते. त्यं तर्दे दे , दे , सुं क्षें , सुं के तर के की जाव या है द , पते , स्रें पया , स्री
- रत्र विंशः ब्रेतिः यशः तहें त्युः शः क्षं ब्रांशा क्षः व्या विषयः वि

विजाक़ी.टेब्र्टिश.लटकी

<< ট্রেম'ৡेत'অম'নইর'অ্'ভূন'য়े'वी'নেনন'तुर्याःहु'त्यु'र्तेर'त्यनन'ग्री'ख्या'न्वेर्याःसर्याःसेत्।

८५५ विंश्रः केंद्रे त्यम त्यहें मुंचे मान केंद्रे निवास क

चम्राक्ष्यं वरायां से त्रा की मिर्ट्स की मिर

ยูง เมรุรา

अट. चीला ह्री. क्ष्म. चातु. क. प्याहूंची, ची. चार्यापः त्र्चीची, क्ष्मां ल्या ह्राची, प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्त

क्रु-८र्द्रश-८८-छ-१र्य्य छी-देश-क्रेगा

- २० र्नेब.क्ष.२० तपु.र्नेब.ती.क्षेव.रेट. ट्रे.मुब.श.ट्रे.प्यंत्र.सूंश.क्षेत्र.त्यका.पह्र्य.ती.श्रट.सूं.प्यंत्र.सूं.प्यंत्र.सूं.स्यंत्र.सूं.स्यंत्र.सूं.स्यंत्र.सूं.स्यंत्र.सूं.स्यंत्र.सूं.स्यंत्र.सूं.स्यंत्र.सूं.स्यंत्र.सूं.स्यंत्र.सूं.स्यंत्र.सूं.स्यंत्र.सूं.स्यंत्र.स्य

 - चश्चीत.क्ष्र.क्वी.क्वी.क्षा व्र्था.क्रुंत्र.ताया.यह्य.क्वी.तौ.यवाय.ह्य्य.ती.क्वी. क्यांवा.यवीता.यव्य.क्वी
 - क्ष. क.ज.चांचेथ.क्ष.ट्र.। क्ष. क.ज.चांचेथ.क्ष.ट्र.व.क्षे.ट.जचट.ट्र.च्री.त.ज.च्य.ट्र.च्य.ट्र.जच्या.च.ज.जसीज.क्ष.ट्र.जचा.
 - द्र्या ह्यून्यत्वन् प्वतः श्रिक्षा स्वार्थिन श्रिम् स्वार्थिन स्व

ব্যুঅ'বের্টিহ'র্ন্ন'বিব্য

षिया.प्रचया.रेट.प्रचाथ.®।

त्र्व. सबीट, ट्रे. प्रट.क. वीष्य. त्यंच्यं क्ष्यं क्ष्यं त्यंच्यं ट्र्मी प्रव्य. विश्वश्व. त्यंच्यं क्ष्यं त्यंच्यं क्ष्यं क्षयं क्ष्यं क्ष्

पर्क्ट.मेंब.स.र2जा

यसःर्ह्म द्वरःयाकेषः ३ या वकरः ५५वा

चमःक्ष्यःवरःचालेलः≈ पा विंसःकृषेःचलःवह्यःकुःर्वरःप्रचचा

धुरपहरा

सावता. कुंश.क्ट. तटा कुंश.वी.क्ट्र. त्यंश.वी.क्ट्र. त्यंश.क्ट्रं कुंट्र. तयय वार्थ. श्री.विता. कुंश.क्ट्र. त्यं सावता. त्यं स

ষিত্র-ট্রেই-বেঘবা

- ে র্মি:ইন্ট্রেমান্ট্রা প্রামান্ত্র বার্ক্রির বিশ্বর বিশ্
 - গ পান্ত্রমা
 - ব ট্রেম.গ্রী.বেশ রেজা
 - ঽ ট্রিম'ঝ'ম'র্ট্রুব্'ঘম'ঘর্বা'ঘরি'র্ব্বপ'রেআ
 - र्के.टेर्स्थ.श्रर.व्र.र्श्र.श्रर.क्री.विजा
 - u नगराङ्गेन'न्नाङ्गें क्षेत्र'खु'चहेत्र'पदीख्या

खियाश्चर दूर प्यच्या

- - १ हिम्रानान्त्रायियानर्वे ते न्दान्त्रान्येन प्रतियान्त्र विष्यान्त्र विषयान्त्र विषयान्त्य विषयान्त्र विषयान्त्र विषयान्त्र विषयान्त्र विषयान्त्र विषयान्य विषयान्त्र विषयान्त्र विषयान्त्र विषयान्त्र विषयान्त्र विषयान्य
 - এ শামহ্মপানর্গাপান্টাস্থার্মির
 - उ विभाग्री'तकर'ग्रितेर'श'म्।प्रेनेपते'श्चार्थेत्।
 - ८ শ.क.বেম.বশ্বন.নধ্র.স্মান্স
 - u शार्वेरशःशुःकरः त्वेदिः श्चः धें दा
 - ८ तर्युया प्राचित्र प्रविषा अप्रे शा धिवा

 - < বাশঅ:বঙ্গুবাশ:গ্রী:বই:গ্রী:দূর্

 - १० মহ্ব ট্রব থে ইলম ট্র স্থা বিথ লাবের র্
 - ११ देश कु १५८ देश करा
 - १२ रट'चनेत्र'म्बर्भ'श्रूट्य'यु'गर्वेद्'मेत्र'चगाग' व्यय्य'ग्री'व्यथाय र्भेट'चगाय'द्वेष्य रही

নষ্ট্ৰীব দের্যা

- चट. त्य्र्युत्ते : स्व. त्यु. स. पट्टिता : स्व. प्यु. प्यू. प्यू.
- ୧୷ मङ्क्षेत्र'त्रशुव्य'योत्र'क्षे'न्द्रव्य'ने'र्स्र'यू'वा'के'त्यन्'ते'र्न्त्र'खु'योत्र'योत्तव्यक्षित्र'तः ने'कुरक्ष'विकेवा'वी'र्न्त्र'खु'क्ष' वार्नेवाल' बन्द'यर्वे वात्रर'क्षे'र्केवा।

तमायग्वायःक्वीःसान्द्रया

- चलता. क्री.श. ८ टे.ज. प्रथ. चयत्र. शह् २. त्र्र्ट. ।

 यश्च. क्री. प्रथ. प्रथ

१०० मास्य स्थ्रीय त्यन् नर्गे प्रति त्यू न्द त्यासारम् व्याप्त स्था स्वाप्त स्था स्वाप्त स्था स्वाप्त स्था स्व मार्ने मास्य स्थ्रामा स्थापन स्था स्वाप्त स्था स्वाप्त स्था स्वाप्त स्था स्वाप्त स्था स्वाप्त स्था स्वाप्त स्थ

नमार्क्त दरानिकार पा विमानेतालकारहित की तर्के क्रिं

<u>ล</u>ิราวธรา

१०० ब्रिंश हेते. त्यम त्येष त्यव्य त्येष त्य्य त्येष त्य भार्त्य त्येष हेते. त्यम त्येष त

वर्षे र्शेट गृहट देवे दिन्दर रही

- १०२ विंशः बेदेः यमा यहेन चीमा अप्ति वर्षे त्यों सिंह वा नहार वा नशानामा वा ना नहार निंह दे दि । दिवा पा निंह व
 - ग्रिंडिंग्यम्याम्बर्धः विषयः क्ष्मां विषयः क्ष्मां विषयः विषयः
 - २ क्रेंश र्त्ये हे अअ दर वी तकर न्द्रिया स्वा खुश र्थे र की र्
 - उ वालर म्रुवायन पर्वापिय त्यू वी तकर प्रत्या वातुर त्यल वातर वार्वे वा म्रे विष्
 - रश्च्यत्तद्रःश्चर्यंत्रःश्चर्यंतःकुं। ् यश्चरःश्चेतःत्रःश्चरःत्यश्चर्यंतःकुंद्रिःत्यःश्चेद्रःत्यशःत्यःत्यः।त्यःयःविद्यः।त्यःयः।त्यःयः।विद्यः।त्यःयः
 - प देश क्षेत्र क्ष्यां त्राप्त प्रति प्रति क्ष्यां क्ष्य

देश बेन् क्वें सुर क्वे 'देंब 'खु' गहर 'दर्गे 'धरे 'तर्थे 'र्से |

স্ক্রমানুদ্র

२०० विंशक्रेत्र विभाक्षेत्र वि प्रमान के स्वार्थ क्षेत्र क्

चश्रःक्ष्यं बद्धां येश्वरः हिन् व

८५० ३४ वह्र मेर्हेर वश्चाना

- २०७ स्थि: इंदे: त्या क्ष्या क्ष्या मित्रा क्ष्या मित्रा क्ष्या क्

न्वेरिकालुक्तिः सन्दुत्वा

१०० विंश क्रेये 'यम 'यहें के 'ये प्रत्य 'ये वाल्यान हीं वो 'ह्य 'ये 'यहें हे के 'स 'दर्य 'प्य 'प्य स्था 'ये वि के 'ये स्था क्रिय क्षेय 'यम 'यहें के 'ये प्रत्य 'ये वाल्यान हीं वो 'ह्य 'ये 'यहें हे के 'स 'दर्य 'प्य 'प्य 'ये

श.र्रेटेज.क्रेबे.जेंब.क्रें.फ्.क्रेंट्र.जचच.चटब्रा

0.0 पूर्व कुत्र ज्वरायह्र कुर्य क्षा स्वरायहर्य कुर्य क्षा क्षा स्वरायहर्य कुर्य क्षा क्षा क्षा क्षा क्षा कि स्वरायहर्य कुर्य क्षा क्षा कि स्वरायहर्य कुर्य कि स्वरायहर्य कुर्य कि स्वरायहर्य कि स

ज्यक्षर क्षेत्र श्री

- १०० ब्रिंशक्रेत्रःत्वसार्द्धन् क्रिस्स्रात्वां सह्नाप्त्रह्नात् क्षेत्रः हो हिन्द्वात् प्राप्तात् क्षेत्रः विकाले क्षेत्रः कष्टे क्षेत्रः कष्टे क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः कष्टे क्षेत्रः कष्टे क्षेत्रः कष्टे क्षेत्रः कष्टे कष्टे क्षेत्रः कष्टे क्षेत्रः कष्टे कष्टे
 - 9 র্মানশ্বমান্ত্রান্ত্রী স্ক্রমান্ত্রা
 - ૦ યન્ન ત્રદેષ શ્રે ને ક્ષેત્રન સંત્રાન સ્ત્રન સ્ત્રન સ્ત્રન શ્રેન શ્રેન સ્ત્રન સ્ત્રન

 - ८ र्वे र्टे 'दे 'वी 'खुद 'खु' त्र शुन 'दर्वे 'पिट 'र्क्ट 'वित 'दर 'वर्ष्ट्र द्र्य दे 'खू' वी 'शुन 'र्द्य वा 'द्र्ये 'दिन |
 - u र्वे र्टे दे दर वी खू वी व्यूच खड़ रू वे देवा
 - ৫ কু'ব্ৰহ্ম'শ্ৰী'ৰ্ছ্ন'দে'দাপথা

क्र-.कंथ.रचर.यहूब.कु.जै.जै.रट.यजेथ.विर्म चश्र-क्ष्य. र न्या

- ০ । ত ক্র্ন্রের ব্রুল ন্রিক নের্মুন ন্র ক্রেক্স নার্ন্রির ক্রিক্স নার্ন্ত্র নার্ন্রির ক্রিক্স নার্ন্ত্র নার্ন্ত্
 - १ र्नेत्र:ह्या ११४:२८:१२ ४:१३ ४:६्वर:योन्:रे:१४:३:१४:५: र्क्ष्ण्यःपदेःद्वस्योदेः। यह्य:प्रक्षाःव्यक्षिःयात्रः विकासक्षित्रः विकासक्षित्रः विकासक्षित्रः विकासक्षित्रः विकासक्षित्रः विकासक्षित्
 - विंश'न्यें पर्दुग्य' के 'न्र्र'न्वें र्य' लु' ग्रन्र' व्यर्थ' ग्री' त्यं अ' त्युग्य' विग' पर्वे ।
 - व्र र्नेब:र्ढंब:०० ध:५८:०० धवे:ब८:पर्गे५'दे:धें५'भे:वी:वक्र:प्विवेदे:व्यु:ढ्युं
- ११२ व्हर् द्वार्च द्वार्च द्वार्च प्राप्त प्राप्त क्षेत्र प्रम् १८० १८० १८० १८० १८० व्हर्ण व्यवस्त्र क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र क्षेत्र

- ११० र्नेब. ११७ स.२८.७ संतर विज्ञाने सेवानय । विक्रमाने विज्ञान विज्ञान
 - १ वकर गृबि त्यु गृबर पर ह्ये र है। अर ब

- ৴ য়য়য়য়ঀঀ৽৻য়ৢ৽য়য়য়ৼৄয়য়য়ৼৄয়ৼয়য়ড়ৣয়ৼয়য়ড়৸৻য়য়য়ৼঢ়৾ঀয়য়ৼয়ৼয়ৼয়ড়য়ৼঢ়য়ৼয়ঀঢ়ৼৢড়ৼ য়য়য়ঀয়ড়য়য়
- २ वकर मनि त्यु मन्दर पास हिंद पर पन्न माने।
- 9.9 હ્યું મુંદ્રે ત્યાન ત્રદ્ધ ત્યાં તે ત્રફ્ષું ત્યાં ત્રાત્વન ત્રફ્ષે ત્રાત્વન ત્રાત્વન ત્રફ્ષે ત્રાત્વન ત્રાત્વન
- ३८१ म्याम् मृत्ये त्यापाद्देष त्यापाद्देष क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र क्ष

- ययः ब्रिंशक्रेंग्रेःयय्ययः द्वितः क्षेत्रः व्याप्तः वित्तः व्याप्तः वित्तः वित्त
- 320 તું ક્રાસ્ટ્ર 42 તા.ક્ષેત્ર.તે. તાયા.તદ્દેય.તો.ત્રા.ત્યન્ટ.તેર.ક્ર્યા.તી.સ્ટ્ર.તી.સ્ટ્ર.તી.સ્ટ્ર તેયા.તેર.તેયા.સ્ટ્ર તેયા.સ્ટ્ર તેય

নম'র্চ্চর' ৫ ঘা নহনে'ট্রমশ'নেই'গী'নষ্ক্রুম'নইন্দ'ন'রু'গার্মণা

वर्ष्ट्र-प्रमुंश्याक्ष्यात्रेत्।

श्रित्र-प्रमुंश्याक्ष्यात्रेत्।

श्रित्यक्ष्यात्रेत्।

श्रित्र-प्रमुंश्याक्ष्यात्रेत्।

श्रित्र-प्रमुंश्याक्ष्यात्रेत्।

श्रित्र-प्रमुंश्याक्ष्यात्रेत्।

श्रित्र-प्रमुंश्याक्ष्यात्रेत्।

श्रित्र-प्रमुंश्याक्ष्यात्रेत्।

श्रित्र-प्रमुंश्याक्ष्यात्रेत्।

ॿॖऺॺॱसुॱॺॖॕॎॺॱॿॖ॓ॱॴॺॸॱय़ड़ॖ॔ॴॺॱॻॖऀॱ(ॸॴय़ॱॿॖॎ॓ॺॺ)ॿॖ॓ॺॺॱॸॣॕॺ॔ॱॡॖ॔। ॿॖॸॱॺॖॕॱ

- 🤈 🍇 মেনুৰ্মা
 - यमायहें में में भर त्युं ने भारत्युं में भार्थ्युं में भारत्युं में भार्युं में भारत्युं में भारत्युं में भारत्युं में भारत्युं में भार
- २ र्हे चर्गे ५ खेषा र्टं ५ ५६ रें र्टं च

র্ষিअ श्रेते 'भेगार्कं र 'दर 'र्वे 'चर्गे द 'र्दे 'र्कं च 'यदे -

चित्रासी यग्रेशःस्र्रेशःबटः ४०त इश्रःसःम्याङ्ग्यःग्रयःयायःयद्द्यी चुत्रःटत्यी

হ স্থান্তমনা

पश्चर, पे.क्या. भर्षेया. भ्रांच्या. क्रुप्ता. भ्रांच्या. क्रुप्ता. भ्रांच्या. प्रत्या. प्रत्

लक्षायह्रब.क्वी.त्रै.८८.तवाता.पिर.क्वी

ପ୍ରକ୍ରମ୍ୟ ପ୍ରିମ୍ବ୍ରମ୍ୟ ପ୍ରକ୍ରମ୍ୟ ବ୍ୟକ୍ରମ୍ୟ ପ୍ରକ୍ରମ୍ୟ ବ୍ୟକ୍ରମ ପ୍ରକ୍ରମ୍ୟ ବ୍ୟକ୍ରମ ପ୍ରକ୍ରମ୍ୟ ବ୍ୟକ୍ରମ୍ୟ ବ୍ୟକ୍ରମ ବ୍ୟକ୍ର ବ୍ୟକ୍ରମ ବ୍ୟକ୍ରମ ବ୍ୟକ୍ରମ ବ୍ୟକ୍ର ବ୍ୟକ୍ୟ ବ୍ୟକ୍ୟ ବ୍ୟକ୍ରମ ବ୍ୟକ୍ରମ ବ୍ୟକ୍ରମ ବ୍ୟକ୍ୟ ବ୍ୟକ୍ୟ ବ୍ୟକ୍ୟ ବ୍ୟକ୍ୟ ବ୍ୟକ୍ରମ ବ୍ୟକ୍ୟ ବ୍ୟକ୍ରମ ବ୍ୟକ୍ର ବ୍ୟକ୍ୟ ବ

- বক্তম নাল দেশ নাই নাজ নাম কৰা নাম কৰা
- ३ श्वेर पहर क्रिं श्वेर प्रदेव र्श्वेर प्रप्त के वी र्ने त्यु पत्र त्यु क्रिं र त्यु के

त यविराम्बर्धः प्रशास्त्रविष्टः योः योष्याः यविष्टः क्री स्वाप्तः क्रियाः विष्टः स्वाप्तः स्वाप्तः स्वाप्तः स्व

प कु.र्ट्य.र्ट्ट.सी.सूर्या

- क्रियायहूर् क्रिंट त्यप्रेश कें क्या क्री प्राप्त क्रिया कें अहूर्य प्राप्त क्रिया क्षिया क्षिया या प्राप्त क्रिया प्राप्त क्रिया क्रिया क्रिया प्राप्त क्रिया क्र
- उ पश्चीता. २४ . क्री. क्था क्षिंश इंद्रा. तथा तहूर क्षी हुं र खे. क्षीं तथीं ता तक्ष त्रिं
- यमाः क्रमः व्यामान्त्र व्हें प्रमः भूकिः ययप्रप्ति विष्यं मात्रः मात्र प्रमेतः यय्याः यद्वे याः विष्यः विष्यः विषयः विषयः विष्यः विषयः व
- स्व:र्यमा न्द्र्य:व्येष:क्रुं स्व:र्यं क्र्य:क्र्यं स्व:र्यं प्रम्पः स्व:र्यं प्रमः स्व:

 $\frac{1}{2}$ គ្រុក ភាព ស្រុក គ្រុក គ្គុក គ្រុក គ្គិត គ្រុក គ្គិត គ្រុក គ្គិត គ្រុក គ្រុក គ្រុក គ្រុក គ្គិត គ្រុក គ្រុក គ្គិត គ្រុក គ្គិត គ្រុក គ្គិត គ្រុក គ្រុក គ្គិត គ្គិត គ្រុក គ្រុក គ្គិត គ្គិត គ្គិត គ្គិត គ្គិត គ្គិត គ្គិត គ្រុក គ្គិត គ្គិត គ្គិត គ្គិត គ្គិត គ្គិត គ្គិត គ្គិត គ្គិត គ្រុក គ្គិត គ្គិត្តិ

७ क'बेर'ग्रहर'दे।

य्यश्यदेव, दे.क. भ्रेट. ची ५८. ट्रेस्. त. देव, त्य वी ना विष्ट. ची मार्थ है ची ना हिंदी हैं विष्ट हिंदी हैं के

অ বাধ্যমেশ্রুবাধা

 योश्यतः योश्यतः व्यव्याः व्याः व्यव्याः व्याः व्यव्याः व

শ'শ্লিশা

र्तायाः स्वायः त्यस्याः क्रास्त्रः प्रम्याः त्यस्या

देश देवा

นอน ผู้พง หาร์ ลำ ผู้ หาร์ ลำ หาร ลำ